NES High School
III Preliminary Examination

Date : 08/01/2019 Sub : Hindi (Composite) Marks : 25
Std. : X B Pages : 03 Time: 45 mins

प्र.१ पठित परिच्छेद पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

बहुरूपियों के बारे मे हम सब जानते हैं। इन लोगों का पेशा अब समाप्त होता जा रहा है, किसी समय रईसों और अमीरों का मनोरंजन करने वाले बहुरूपिये प्रायः हर नगर में पाए जाते थे। ये कभी धोबी का रूप लेकर आते थे, कभी डाकिए का। हू-ब-हू उसी तरह का व्यवहार करके ये प्रायः लोगों को भ्रम में डाल देते थे। इनकी इसी सफलता से धोखा खा जाने वाला रईस इन्हें इनाम देता था। उसी तरह के बहुरूपिये का एक रूप मैंने राजस्थानी लोककथाओं में सुना था और मुझे वह अभी भी अच्छी तरह याद है। लगता है कि हम सब के भीतर कहीं न कहीं उसी तरह का एक बहुरूपिया बैठा है।

एक बार एक बहुरूपिये ने साधु का रूप बनाया - सिर पर जटाएँ, नंगे शरीर पर भस्म, माथे पर त्रिपुंड, कमर में लँगोटी। उसके रूप में कहीं कोई कसर नहीं थी और वह संसारत्यागी साधु ही लगता था। उसने नगर से बाहर बड़े-से पेड़ के नीचे अपनी झोंपड़ी तैयार की, बगीचा लगाया और बैठकर तपस्या करने लगा। धीरे-धीरे सारे नगरे में यह समाचार फैलने लगा कि बाहर एक बहुत पहुँचे हुए महात्मा ने आकर डेरा लगाय है। लोग उसके दर्शनों को आने लगे और धीरे- धीरे चारों तरफ साधु का यश फैल गया। सारे दिन उसके यहाँ भीड़ लगी रहती थी। लोग कहते थे कि महात्मा जी के उपदेशों में जादू है और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े से बड़े कष्ट दूर हो जाते हैं। अपनी इस कीर्ति मे साधु को कभी-कभी बड़ा आश्चर्य होता और मन-ही-मन वह अपनी सफलता पर मुसकराया करता।

१) 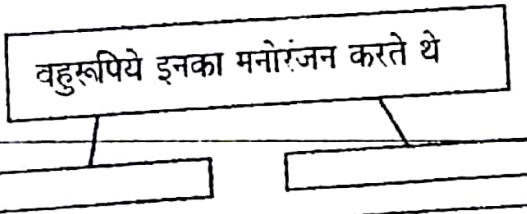

(०१)

२) 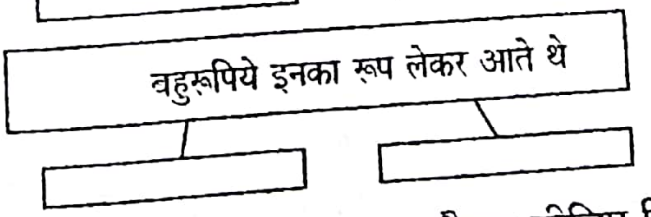

(०१)

३) १. परिच्छेद के आधार पर ऐसा प्रश्न तैयार कीजिए जिसका उत्तर निम्नलिखित हो। (०१)

महात्मा ः

२. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए। (०१)

१) कटि ः २) तन ः

४) 'साधुओं के प्रति बढ़ता विश्वास ! इस संदर्भ में अपने विचार लिखिए। (०२)

Scanned by CamScanner

प्र.२ पठित पद्यांश पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

पहले इक आसमान पैदा कर,
फिर परों में उड़ान पैदा कर।
अपनी आँखों से जिंदगी को पढ़,
अपने अनुभव से ज्ञान पैदा कर।
सब्र के पेड़ पर लगेंगे फल,
सोच में इतमीनान पैदा कर।
ऐ खुदा ! जिसमें जी सके इन्साँ,
कोई ऐसा जहान पैदा कर।
तूने बख्शी है जिंदगी, तू ही,
जिंदगी में जान पैदा कर।
छोड़ दुनिया से छाँव की उम्मीद,
खुद में इक सायवान पैदा कर।
दिल से निकले दिलों में बस जाए,
ऐसी आसाँ जुबान पैदा कर।

१) १. (०१)

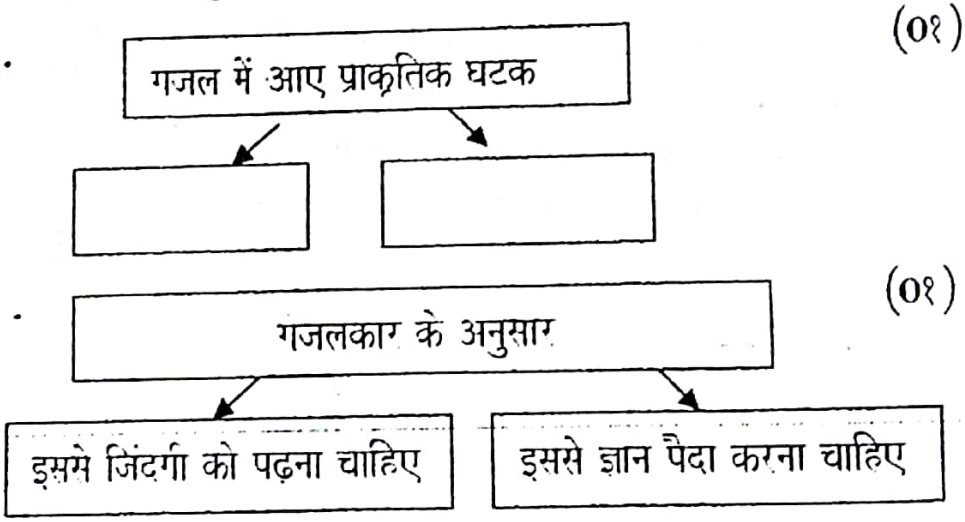

२) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिए। (०१)

१. खुदा ने किसकी जिंदगी बख्शी है ?

२. गजलकार खुदा को जिंदगी में क्या पैदा करने के लिए कहता है ?

३) 'जीवन में डर की जगह सावधानी एवं साहस चाहिए' विषय पर अपने विचार लिखिए। (०२)

प्रश्न ३) व्याकरण कृतियाँ

१) वर्तनी के नियमों के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए। (०१)

१. जिदगी / जिंदगि / जिंदगी / जिंधगी :

२. उमीद / उम्मिद / उम्मीद / उम्मीध :

Scanned by CamScanner

२) निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए। (०१)

पर ः

३) निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए और भेद लिखिए। (०१)

मनोगत ः

४) निम्नलिखित वाक्यों के रचना के अनुसार भेद लिखिए। (०१)

१. वह आदमी उस गाँव में रहने के लिए तैयार हो गया।

२. मजे की बात यह है कि एक समाचारपत्र के कितने उपयोग हो सकते हैं।

५) निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के अनुसार भेद लिखिए। (०१)

१. ठीक है, मुकदमे की कार्यवाही शुरू करें।

२. अरे ! हवा रानी नाराज मत हो।

६) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए। (०१)

उसकी जान बच गई है।

प्र. ४ उपयोजित लेखन

१) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र लिखिए। (०४)

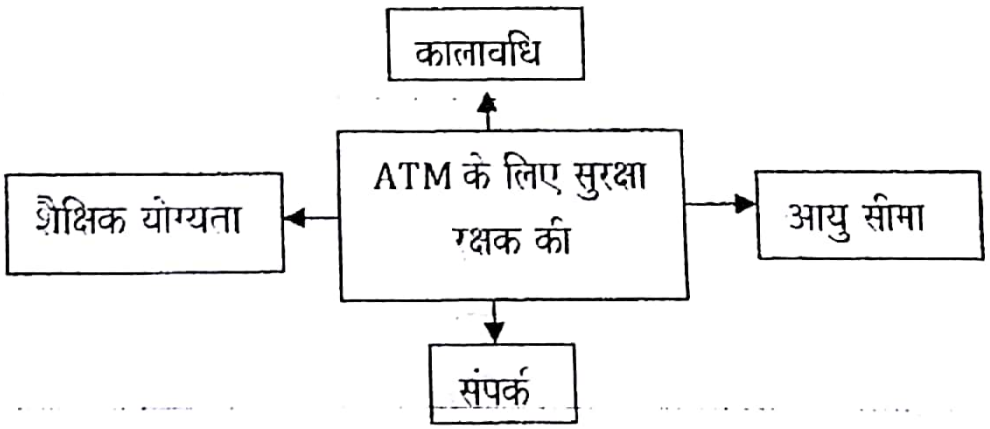

२) निम्नलिखित किसी एक विषय पर लगभग ७० से ८० शब्दों में निबंध लिखिए। (०४)

यदि मैं वैज्ञानिक होता

अथवा

समाचार पत्र

.....

Scanned by CamScanner